Subject – Hindi **Lesson – 7 परीक्षा** **class – 4th**

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) धृतराष्ट्र के कितने पुत्र थे? ....सौ........

(ख) पांडवों और कौरवों में सबसे बड़े भाई कौन थे? ....युधिष्ठिर....

(ग) गुरु द्रोणाचार्य द्वारा पढ़ाए गए पाठ को किसने अच्छे से समझा? ....युधिष्ठिर....

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पाँच पांडवों के क्या नाम थे?

(ख) गुरु द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों को क्या पाठ पढ़ाया?

(ग) पूरा पाठ याद न होने के पीछे युधिष्ठिर ने क्या कारण बताया?

(घ) पाठ याद करने का असली अर्थ क्या है?

पाठ से आगे

आज-कल

- आपके विद्यालय में और प्राचीन काल के विद्यालय में क्या-क्या अंतर देखने को मिलते हैं? बताइए।

भाषा की दुनिया

शब्द-समूह, विशेषण शब्द, विशेषण-विशेष्य

1. विद्यालय में पढ़ने वाला– विद्यार्थी, यहाँ **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द** का प्रयोग किया गया है। **अब आप दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द छाँटकर लिखिए–**

राजा का बेटा – ....राजकुमार....

सबसे बड़ा पुत्र – ....ज्येष्ठ....

शिक्षा देने वाला – ....शिक्षक....

क्रोध करने वाला – ....क्रोधी....

सत्य बोलने वाला – ....सत्यवादी....

ज्येष्ठ
क्रोधी
सत्यवादी
राजकुमार
शिक्षक

o

2. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण शब्द** कहते हैं; जैसे– **काले** जूते। यहाँ 'काले' शब्द विशेषण है।

पाठ के आधार पर दिए गए विशेषण शब्दों की सहायता से खाली जगह भरिए–

(क) ....प्राचीन.... काल में हस्तिनापुर नाम का एक राज्य था।

(ख) धृतराष्ट्र के ....सौ.... पुत्र थे जो 'कौरव' कहलाते थे।

(ग) धृतराष्ट्र के सबसे ....बड़े.... पुत्र का नाम दुर्योधन था।

(घ) मुझे अभी ....पूरा.... पाठ याद नहीं हुआ है।

(ङ) ....दूसरे.... दिन गुरु जी ने फिर युधिष्ठिर को बुलाया।

सौ
बड़े
दूसरे
पूरा
प्राचीन

3. विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें **विशेष्य** कहते हैं; जैसे– बलवान **हाथी**। यहाँ 'हाथी' शब्द विशेष्य है।

पाठ के आधार पर विशेषण और विशेष्य शब्दों का मिलान कीजिए–

विशेषण	विशेष्य
पाँच	पाठ
आधा	अर्थ
तीसरा	पुत्र
असली	युधिष्ठिर
युवा	दिन

o

कक्षा - 4 · नव भारती

पाठ - 7

परीक्षा

प्र०1· पाँच पांडवों के क्या नाम थे?

उ०· पाँच पांडवो के नाम थे - युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव थे।

प्र०2· गुरु द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों को क्या पाठ पढ़ाया?

उ०· गुरु द्रोणाचार्य ने कौरवों और पांडवों को पाठ पढ़ाया कि, "सदा सत्य बोलो। क्रोध मत करो"।

प्र०3· पुरा पाठ याद न होने के पीछे युधिष्ठिर ने क्या कारण बताया?

उ०· पुरा पाठ याद न होने के पीछे युधिष्ठिर ने कहा कि गुरुदेव मैंने बहुत प्रयत्न किया किंतु अब भी मुझे क्रोध आ ही जाता है।

प्र०4· पाठ याद करने का असली अर्थ क्या है?

उ०· पाठ याद करने का असली अर्थ है- पाठ को समझना और उसे जीवन में उतारना है।